परमात्म ऊर्जा

कोई भी बात के विस्तार को समाकर सार में स्थित रह सकते हो। ऐसा अभ्यास करते-करते स्वयं सार रूप बनने के कारण अन्य आत्माओं को भी एक सेकण्ड में सारे ज्ञान का सार अनुभव करा सकेंगे। अनुभवीमूर्त ही अन्य को अनुभव करा सकते हैं। इस बात के स्वयं ही अनुभवी कम हो, इस कारण अन्य आत्माओं को अनुभव नहीं करा सकते हो। जैसे कोई भी पॉवरफुल चीज़ में व पॉवरफुल साधनों में कोई भी चीज़ को परिवर्तन करने की शक्ति होती है। जैसे अग्नि बहुत तेज अर्थात् पॉवरफुल होगी, तो उसमें कोई भी चीज़ डालेंगे तो स्वतः ही रूप परिवर्तन में आ जाएगा। अगर अग्नि पॉवरफुल नहीं है तो कोई भी वस्तु के रूप को परिवर्तन नहीं कर पाएंगे। ऐसे ही सदैव अपने पॉवरफुल स्टेज पर स्थित रहो तो कोई भी बातें, जो व्यक्त भाव व व्यक्त दुनिया की वस्तुए हैं व व्यक्त भाव में रहने वाले व्यक्ति हैं, आपके सामने आएंगे तो आपके पॉवरफुल स्टेज के कारण उन्हों की स्थिति व रूपरेखा परिवर्तन हो जाएगी। व्यक्त भाव वाले का व्यक्त भाव बदलकर आत्मिक स्थिति बन जाएगी। व्यर्थ बात परिवर्तन होते समर्थ रूप धारण कर लेगी। विकल्प शब्द शुद्ध संकल्प का रूप धारण कर लेगा। लेकिन ऐसा परिवर्तन तब होगा जब ऐसी पॉवरफुल स्टेज पर स्थित हों। कोई भी लौकिकता अलौकिकता में परिवर्तित हो जाएगी। साधारण असाधारण के रूप में परिवर्तित हो जाएंगे। फिर ऐसी स्थिति में स्थित रहने वाले कोई भी व्यक्ति व वैभव व वायुमण्डल, वायब्रेशन, वृत्ति, दृष्टि के वश में नहीं हो सकते हैं। तो अब समझा क्या कारण है? एक तो समाने की शक्ति कम और दूसरा परिवर्तन करने की शक्ति कम। अर्थात् लाइट हाउस, माइट हाउस - दोनों स्थिति में स्थित सदाकाल नहीं रहते हो। कोई भी कर्म करने के पहले, जो बापदादा द्वारा विशेष शक्तियों की सौगात मिली है, उनको काम में नहीं लाते हो। सिर्फ देखते-सुनते खुश होते हो परन्तु समय पर काम में न लाने कारण कमी रह जाती है। हर कर्म करने के पहले मास्टर त्रिकालदर्शी बनकर कर्म नहीं करते हो।

अगर मास्टर त्रिकालदर्शी बन हर कर्म, हर संकल्प करो व वचन बोलो, तो बताओ कब भी कोई कर्म व्यर्थ व अनर्थ वाला हो सकता है? कर्म करने के समय कर्म के वश हो जाते हो। त्रिकालदर्शी अर्थात् साक्षीपन की स्थिति में स्थित होकर इन कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म नहीं करते हो, इसलिए वशीभूत हो जाते हो। वशीभूत होना अर्थात् भूतों का आह्वान करना। कर्म करने के बाद पश्चाताप् होता है। लेकिन उससे क्या हुआ? कर्म की गति व कर्म का फल तो बन गया ना। तो कर्म और कर्म के फल के बन्धन में फंसने के कारण कर्म बन्धनी आत्मा अपनी ऊंची स्टेज को पा नहीं सकती है। तो सदैव यह चेक करो कि आये हैं कर्मबन्धनों से मुक्त होने के लिए लेकिन मुक्त होते-होते कर्मबन्धन युक्त तो नहीं हो जाते हो?

कथा सरिता

मेहनत रंग लायी

एक बार की बात है, एक छोटा लड़का था जिसका नाम अजय था। वह एक गरीब परिवार में पैदा हुआ था और उसका बचपन बहुत कठिन था। उसके माता-पिता दोनों काम करते थे और अक्सर उन्हें देर रात तक काम करना पड़ता था। इसलिए, अजय को अपनी खुद की देखभाल खुद ही करनी पड़ती थी।

अजय एक बहुत ही बुद्धिमान और मेहनती लड़का था। वह स्कूल में बहुत अच्छा करता था और उसे पढ़ना बहुत पसंद था। वह अक्सर अपने दोस्तों और परिवार को अपने ज्ञान के बारे में बताता था।

एक दिन अजय, अपने स्कूल में एक प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहा था। यह एक क्विज प्रतियोगिता थी और अजय को बहुत अच्छा लग रहा था। उसने प्रतियोगिता में बहुत अच्छी तरह से प्रदर्शन किया और वह विजेता बन गया।

अजय की जीत ने उसके परिवार और दोस्तों को बहुत खुश किया। वे सभी उसके लिए बहुत गर्व महसूस कर रहे थे। अजय को भी अपनी जीत पर बहुत गर्व था। उसने जान लिया था कि वह कुछ भी कर सकता है, अगर वह सिर्फ कोशिश करे।

अजय ने अपनी पढ़ाई जारी रखी और वह एक बहुत ही सफल इंजीनियर बन गया। उसने अपनी कंपनी की स्थापना की और वह बहुत अमीर हो गया। लेकिन वह कभी भी अपने गरीब अतीत को नहीं भूला। वह हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहता था।

एक दिन, अजय एक गरीब लड़के से मिला जो अपने परिवार के लिए पैसे कमाने के लिए काम कर रहा था। अजय ने लड़के को अपनी कंपनी में नौकरी दिलवाई और उसे आर्थिक रूप से मदद की। लड़का अजय के प्रति बहुत आभारी था।

शिक्षा : जब कोई कुछ करने का ठान ले तो आखिर जीत उसी की होती है।

दिल्ली-पीतमपुरा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित 16वें बाल व्यक्तित्व विकास शिविर के दौरान समूह चित्र में ब्र.कु. प्रभा बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. पूजा बहन, अनीता बहन,स्कूल डायरेक्टर तथा अन्य।

कोटा-राज.। देश-विदेश में अपने जादू का जलवा बिखेरने वाली अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर आंचल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उर्मिला दीदी।

जयपुर-बनिपार्क(राज.)। राजस्थान होमगार्ड अकादमी-जयपुर में 500 प्रशिक्षणकर्ताओं को दो दिवसीय ट्रेनिंग के दौरान सकारात्मक चिंतन और राजयोग के बारे में जानकारी देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. लक्ष्मी बहन व ब्र.कु. कुणाल भाई। इस दौरान ब्र.कु. दीप्ति बहन ने भी सभी का मार्गदर्शन किया।

सोनीपत से.15-हरियाणा। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रमोद दीदी, संजय जी,मेडिकल ऑफिसर,सोनीपत, सुभाष सिसोदिया,प्रोफेसर,गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सोनीपत, विजय नासा,व्यापारी, शर्मिला जी,जे.टी.ओ.,बीएसएनएल सोनीपत सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. सुखप्रीत कौर व उनकी टीम द्वारा उपस्थित सभी भाई-बहनों को फ्री चिकित्सा परामर्श व एक्यूप्रेशर द्वारा शारीरिक आराम दिया गया।

नागौर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए कलेक्टर डॉ. अमित यादव। साथ हैं ब्र.कु. अनिता दीदी, प्रधान जी, योग शिक्षक महेन्द्र सोनी तथा अन्य।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर उसकी सिंचाई करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सरोज दीदी व अन्य ब्र.कु. बहनें।

सूरतगढ़-राज.। मातृ दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी दीदी। मंचासीन हैं इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा परमिंदर बहन एवं निशा बहन तथा नारी उत्थान केंद्र की अध्यक्ष बहन राजेश सीडाना।